

कक्षा ६  
कविता- झाँसी की रानी  
कवयित्री- सुभद्रा कुमारी चौहान



# सुभद्रा कुमारी चौहान आधुनिक काल की कवयित्री

जन्म- १६ अगस्त १९०४

मृत्यु- १५ फरवरी १९४८

जन्म स्थान- इलाहाबाद

प्रमुख कृतियाँ - बिखरे मोती, उन्मादिनी, सीधे-सादे चित्र आदि ।





# १८५७ के क्रांति के विद्रोही नेता

- बहादुर शाह ज़फर
- नाना साहब
- बेगम हजरत महल
- रानी लक्ष्मीबाई
- कुंवर सिंह



कानपुर के नाना की, मँहबोली बहन 'छबीली' थी  
लक्ष्मीबाई नाम, पिता की वह संतान अकेली थी,  
नाना के संग पढ़ती थी वह, नाना के संग खेली थी,  
बरछी ढाल, कृपाण, कटारी उसकी यही सहेली थी।



- १८५७ में झाँसी के स्वतंत्रता संग्राम में बलिदान देने वाली झाँसी की रानी की वीरता का वर्णन ।
- उनके बचपन का नाम छबीली था ।
- कानपूर के धुंधुपन्त नाना की मुँहबोली बहन थी ।
- उनके पिता मोरोपंत नाना की इकलौती संतान थी ।
- बरछी, ढाल, कृपाण, कतार आदि उसकी सहेलियां थीं।
- शिवजी जैसे वीरों की कहानियाँ जवानी तक याद थीं।



# प्रश्न

- वर्तमान युग में किन-किन क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं को आप झाँसी की रानी की संज्ञा दे सकते हैं ?
- क्या स्त्री कमांडो भी झाँसी की रानी का रूप ले सकती है? अपने विचार व्यक्त करें।